जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 15 संख्याः 156 प्रभात चूरू, मंगलवार 3 अक्टूबर, 2023 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सचिन पायलट शामिल हुए।

इस बार तेरे या मेरे नाम पर टिकट नहीं मिलेगा-पायलट

पायलट ने यह भी कहा कि, सरकार कार्यकर्ताओं के दम पर बनती है

- महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के बाद मीडिया के साथ बातचीत में सचिन पायलट ने कहा कि, चुनाव जीतना ही एक मात्र क्राइटैरिया है तथा एस.सी./एस.टी. ओ.बी.सी. व माइनॉटिरी को पहले से ज्यादा प्राथमिकता दी जाएगी।
- पायलट ने राजस्थान में गठबंधन से इंकार किया व कहा कि, इंडिया एलायंस राष्ट्रीय स्तर पर है, राजस्थान में सिर्फ दो पार्टियां हैं, कांग्रेस और भाजपा।

जयपुर, 2 अक्टूबर (का.प्र.)। राजस्थान विधानसभा के लिए टिकट देने के लिए प्रत्याशियों के चयन पर कांग्रेस में मंथन चल रहा है। इस मुद्दे पर सोमवार को सचिन पायलट ने, प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर गांधी और शास्त्री जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि, राजस्थान में प्रत्याशी के लिए केवल चुनाव जीतना ही एकमात्र क्राइटीरिया तय किया गया है। जब फाइनल लिस्ट आएगी तो पहले से ज्यादा युवाओं, एससी- एसटी, ओबीसी माइनॉरिटी सबको प्राथमिकता देंगे, लेकिन जिताऊ को इग्नोर नहीं कर सकते हैं। पायलट ने कहा कि, इस बार "ये तेरा या मेरा" के नाम पर टिकट नहीं मिलेंगे। पायलट ने स्पष्ट किया कि, कांग्रेस आलाकमान पूरी तरह से गंभीर है कि कैसे जिताऊ उम्मीदवार को टिकट दिया जाए।

सचिन पायलट ने यह भी कहा कि, सरकार कार्यकर्ताओं के दम पर बनती है। कांग्रेस का कार्यकर्ता उत्साहित है वह जानता है कि, भविष्य हमारा है। नौजवानों, किसानों और कार्यकर्ताओं के मन में जो अभिलाषा है वह तभी पूरी होगी जब कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी। उन्होंने कहा कि सरकार पार्टी के कार्यकर्ता बनाती है, पार्टी के कार्यकर्ता व नेता के दम पर हम जनता तक सरकार की बात पहुंचाते हैं, सरकार का निर्माण करते हैं और राजस्थान में सरकार और संगठन मिलकर काम कर रहे हैं, तभी जनता भी विश्वास कर रही है। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस पार्टी पहले से ज्यादा मजबूत है, पार्टी कार्यकर्ताओं को साध रही है, जहां कहीं भी हमें छोटा-मोटा कोई करैक्शन करना पड़ रहा है उसे हम लगातार करैक्ट कर रहे हैं और इस बार राहुल गांधी का फोकस व्यक्तिगत रूप से राजस्थान पर ही है। राजस्थान में गठबंधन को लेकर सचिन पायलट ने इन्कार करते हुए अकेले चुनाव लड़ने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि, इंडिया अलायन्स राष्ट्रीय स्तर पर है, लेकिन राजस्थान में हमेशा मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच होता है।

राजस्थान में कांग्रेस मजबूत है क्योंकि अपने दम पर पूर्ण बहुमत की सरकार बना सकती है। पार्टी छोड़कर गए नेताओं को लेकर पायलट ने कहा कि, चुनाव के समय कुछ लोग पार्टी छोड़ेंगे कुछ जॉइन भी करेंगे। यह निजी निर्णय होता है। यह सही है या गलत, इस पर मैं बोलना नहीं चाहता, लेकिन राजस्थान में कांग्रेस पार्टी मजबूत है और जीतने की स्थिति में है।

डिज़ाइन बॉक्स के अरोड़ा की भारी तरफदारी की भंवर जीतेन्द्र सिंह ने

डोटासरा को जीतेन्द्र सिंह ने सलाह दी कि, लड़ाई छोड़ कर डिज़ाइन बॉक्स राजस्थान में और काम दें

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। ऐसी खबर है कि गांधी परिवार के साथ घनिष्ठ पारिवारिक संबंध रखने वाले कांग्रेस के एक सीनियर नेता ने राजस्थान के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा को फोन कर कहा है कि वह डिज़ाइन बॉक्स के मुखिया अरोड़ा के साथ हुई तकरार को भूल जाएं। उन्होंने डोटासरा से यह भी कहा कि वह अरोड़ा को और काम दें।

अलवर के नेता जितेन्द्र सिंह ने यह जानकारी होने के बावजूद भी अरोड़ा की पैरवी करना जारी रखा कि डिज़ाइन बॉक्स के प्रमुख ने राहुल गांधी के लिए अपशब्द कहे थे और वह तो यहां तक कह गए थे कि राहुल नेता बनने लायक नहीं हैं और यदि पार्टी उनकी बात सुने या उनके कहने पर चले तो वह जीतने की उम्मीद नहीं रख सकती।

- डोटासरा दुविधा में हैं, क्योंकि अरोड़ा ने राहुल गांधी के बारे में बहुत अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया है और यह भी कहा है कि, वे नेता बनने लायक नहीं हैं।
- जीतेन्द्र सिंह ने असम के प्रभारी के रूप में, डिज़ाइन बॉक्स को कांग्रेस का चुनाव अभियान चलाने की जिम्मेदारी सौंपी थी, पर पार्टी की भारी हार हुई थी।
- दो अन्य प्रमुख नेता, हिमाचल की आशा कुमारी और उनके भाई, छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव भी डिज़ाइन बॉक्स के समर्थक बताये जाते हैं।
- जीतेन्द्र सिंह की सलाह पर ही राजस्थान में डिज़ाइन बॉक्स को चुनाव अभियान की जिम्मेदारी दी गयी है।

सूत्र बताते हैं कि जितेन्द्र सिंह जब असम के ए.आई.सी.सी. प्रभारी थे, तब उन्होंने असम के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के चुनाव प्रचार के लिए इसी डिज़ाइन बॉक्स को हायर किया था, लेकिन उस चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह पराजित हुई थी। यह पहले ही बताया जा चुका है कि जितेन्द्र सिंह ने ही अशोक गहलोत को डिज़ाइन बॉक्स को हायर करने की सलाह दी थी।

जितेन्द्र सिंह के अलावा कांग्रेस के दो अन्य सीनियर नेताओं, हिमाचल प्रदेश की आशा कुमारी और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं उनके भाई टी.एस. सिंह देव ने डिज़ाइन बॉक्स की पैरवी करने में प्रमुख भूमिका निभाई थी। यद्यपि डिज़ाइन बॉक्स अपने काम से कांग्रेस को किसी भी राज्य में नहीं जितवा सका। क्या इन नेताओं के डिज़ाइन बॉक्स के साथ कोई बिज़नैस लिंक्स हैं? यह बात अभी भी जांच का विषय है।

सूत्र कहते हैं कि घटना और तकरार को भूल जाने की जितेन्द्र सिंह द्वारा सलाह दिए जाने के बाद आवेशित डोटासरा मीडिया में चले गए और उन्होंने एक हिंदी दैनिक को अपना साक्षात्कार दिया। राजस्थान और कांग्रेस हलकों में अब यह प्रश्न किया जा रहा है कि अरोड़ा एक ऐसी पार्टी को कैसे जीत दिलवा सकेंगे, जहां वह स्वयं ही उसके सीनियर नेताओं को अपशब्द कह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नवरात्रि में घोषित होगी राजस्थान में भाजपा की पहली लिस्ट

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में केन्द्रीय निर्वाचन समिति ने रविवार को राजस्थान विधानसभा के लिए उम्मीदवारों की

- प्रत्याशियों की पहली लिस्ट को प्र.मंत्री ने मंजूरी दे दी है। इसमें वसुंधरा राजे, राजेन्द्र राठौड़, सतीश पूनिया आदि के नाम होने की संभावना है।

पहली और छत्तीसगढ़ चुनाव के लिए इसकी सूची को स्वीकृति दे दी लेकिन नामों की घोषणा 15 अक्टूबर से आरंभ होने वाले नवरात्रों में की जाएगी।

30 से ज्यादा नामों को स्वीकृति दी गई है जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, विपक्ष के नेता राजेन्द्र सिंह राठौड़, पूर्व भाजपाध्यक्ष सतीश पूनिया तथा सांसद दिया कुमारी गुर्जर, सुखबीर सिंह जौनपुरिया, किरोड़ी लाल मीणा तथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर्नाटक में कांग्रेस भी जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी करेगी

यह जनगणना कांग्रेस की पूर्व सिद्धारमैया सरकार (2013-18) ने करवाई थी

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। बिहार सरकार द्वारा जातीय जनगणना के तुरंत बाद कांग्रेसनीत कर्नाटक सरकार की पूर्व में सिद्धारमैया सरकार (2023-2018) द्वारा करवाई गई जातीय जनगणना की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवा रही है।

मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया यह संकेत दे चुके हैं कि सरकार 2015 में करवाए गए सामाजिक आर्थिक सर्वे को स्वीकार करने की सोच रही है, लेकिन बिहार सरकार द्वारा जातीय जनगणना के आंकड़े जारी करने के बाद कांग्रेस सरकार का भी रास्ता खुल गया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ओ.बी.सी. की जातिगत जनगणना का मुद्दा उठाया है और यू.पी.ए. सरकार द्वारा करवाई गई जात आधारित

- राज्य के मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया ने कहा है कि, सरकार 2015 के सामाजिक आर्थिक सर्वे (जात आधारित जनगणना) की रिपोर्ट स्वीकार करने पर विचार कर रही है।
- पर ऐसी आशंका है कि, इस रिपोर्ट के जारी होने से वोकलिग्ग व लिंगायत समुदाय नाराज हो सकते हैं, क्योंकि जात आधारित जनगणना के आंकड़ों से इन समुदायों की सही संख्या पता लग सकती है।

जनगणना की रिपोर्ट जारी न करने के लिए भाजपा को आड़े हाथों लिया है।

यह कदम भाजपा के हिन्दुत्व के गुब्बारे की हवा निकालने के लिए उठाया गया है। अब राहुल गांधी ने यह मांग की है और पहले बिहार के नेताओं नीतीश कुमार और लालू यादव ने यह मांग की थी और बाद में अन्य विपक्षी दलों ने भी मुद्दा उठाया। उम्मीद है कि इससे सबसे पिछड़ी और अन्य पिछड़ी जातियों के वोट पार्टी या गठबंधन को मिल जाएंगे क्योंकि इसमें उन्हें आरक्षण और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिला है। विपक्षी नेता और विशेषकर राहुल गांधी ओ.बी.सी. के कल्याण के मुद्दे पर काफी मुखर रहे हैं और उन्होंने प्रश्न किया कि किस प्रकार भाजपा केवल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कास्ट सर्वे रिपोर्ट पर नौ दलों की बैठक आज

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह जानकारी दी

- नीतीश ने कहा कि सभी दलों से राय लेकर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

पटना, 2 अक्टूबर। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि जाति आधारित गणना की रिपोर्ट आज प्रकाशित कर दी गई और मंगलवार को अपराह्न साढ़े तीन बजे नौ दलों की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें सबकी राय लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी। कुमार ने सोमवार को यहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर गांधी संग्रहालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बापू को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा, जाति आधारित गणना की रिपोर्ट को पब्लिश कर दिया गया है। नौ पार्टियों की सहमति से यह सब हुआ है। उन सब पार्टियों के सामने सभी चीजों को प्रस्तुत किया जायेगा। उन्होंने कहा कि, कल ही (मंगलवार को) साढ़े तीन बजे नौ पार्टियों के लोगों के साथ हम लोग बैठक करेंगे। उसमें एक-एक चीजों का प्रजेंटेशन किया जायेगा। सबकी राय लेकर आगे कदम उठाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, जातीय गणना के साथ-साथ एक-एक परिवार की आर्थिक स्थिति की जानकारी ले ली गई है, उसकी रिपोर्ट भी जारी होगी। अनुसूचित जाति के लोगों की संख्या बढ़ी है, उनको भी फायदा होगा। उन्होंने कहा कि, सबको लाभ मिले इसको लेकर कल की बैठक में एक-एक चीज को रखा जायेगा। कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अतिपिछड़ी जातियों के लिए विश्वकर्मा योजना लागू किये जाने और बिहार में अतिपिछड़ी जातियों की संख्या बढ़ने के सवाल पर कहा कि, उन्हें यह सब पता नहीं है कि, उन लोगों ने क्या लागू किया है। बिहार में हम लोगों ने जितना काम किया है उतना आज तक कोई नहीं किया है। बिहार में किसी एक जाति नहीं बल्कि सभी जातियों के हित में काम आगे बढ़ेगा। उन्होंने मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि, वर्ष 2011 में केंद्र सरकार ने जनगणना करवाई थी लेकिन इसके 10 वर्षों के बाद जनगणना नहीं हुई है।

सीटों के बंटवारे पर मतभेद

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। विपक्ष के "इण्डिया" गठबंधन ने अपनी सहयोगी पार्टियों के बीच सीट शेयरिंग को लेकर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं, यद्यपि इसके संविधान को बने तीन महीने से अधिक हो गए हैं और गठबंधन की तीन मीटिंग्स भी हो चुकी है। इसके बजाए, मतभेद बढ़ रहे हैं, जिससे सीट

- इंडिया गठबंधन के सीटों के बंटवारे में और देरी हो सकती है, क्योंकि जिन सीटों पर सभी दल प्रत्याशी खड़े करना चाहते हैं, उन्हें लेकर विवाद बढ़ रहा है।

शेयरिंग में मुश्किलें आ सकती हैं। उन सीटों पर विवाद बढ़ रहा है जिन पर सभी पार्टियां दावा कर रही हैं। गत 13 सितम्बर को शरद पवार के दिल्ली स्थित आवास पर हुई पिछली कोआर्डिनेशन मीटिंग में चार मुद्दों पर सहमति बनी थी, लेकिन उनमें से अब तक एक ही मुद्दे पर अमल किया गया है। कांग्रेस तथा कुछ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार कास्ट सर्वे: भाजपा नेतृत्व समझ नहीं पा रहा है, इसका पलटवार कैसे करे

सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, बिहार की कुल आबादी में अति पिछड़ी व अन्य पिछड़ी जातियाँ कुल 63 प्रतिशत है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। आज दोपहर जारी हुए बिहार के जातिगत सर्वे के डेटा के प्रकाशन ने छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम के आगामी विधानसभा चुनावों और अगले साल होने जा रहे लोकसभा चुनावों के लिए मंच तैयार कर दिया है क्योंकि विपक्ष के गठबंधन "इण्डिया" द्वारा जातिगत जनगणना के वादे के एक निर्णायक मुद्दा बनाने की उम्मीद है।

जातिगत जनगणना के आंकड़ों की घोषणा ने बिहार में जनता दल युनाइटेड एवं राष्ट्रीय जनता दल के सत्तारुढ़ गठबंधन और विपक्षी भाजपा के बीच तगड़ा वाक्युद्ध छेड़ दिया है। जद, यू नेता एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उसकी सहयोगी आर.जे.डी. के पितृपुरुष लालू प्रसाद यादव ने इस रिपोर्ट के प्रकाशन को जहां ऐतिहासिक बताया है, वहीं भाजपा नेताओं ने इसे एक "ढकोसले" की संज्ञा दी है।

चूंकि कांग्रेस एवं उसके नेता राहुल गांधी इस मुद्दे का भारी समर्थन कर रहे हैं, वहीं भाजपा व उसका शीर्ष नेतृत्व भौंचक्का है और उसे अभी तक यह समझ नहीं आ रहा है कि इसका पलटवार करने के लिए क्या रणनीति अपनाई जाए।

जातिगत जनगणना का मुद्दा आगामी चुनावी संघर्ष को किस प्रकार से प्रभावित करने जा रहा है, इस बात का अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी सार्वजनिक सभाओं में जातिगत मुद्दे पर अधिक जोर देते रहे हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि रिपोर्ट के प्रकाशन और गांधी जयन्ती का संयोग रहा है। उन्होंने इस काम के लिए सर्वे टीम को बधाई दी। अब अगला कदम क्या? के जवाब में उन्होंने कहा

- बिहार की कुल आबादी 13.07 करोड़ से अधिक है, इसमें से 36 प्रतिशत अति पिछड़ी जातियाँ व 27.13 प्रतिशत अन्य पिछड़ी जातियाँ हैं।
- जद (यू) व राष्ट्रीय जनता दल ने कास्ट सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक होने को एतिहासिक मौका बताया, वहीं भाजपा की बिहार इकाई ने इसे ढकोसला की संज्ञा दी है।
- लेकिन, भाजपा की प्रदेश इकाई कास्ट सर्वे रिपोर्ट का श्रेय लेने की कोशिश में अवश्य जुट गई है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि, कास्ट सर्वे को हमारा पूर्ण समर्थन था, हमने ही इसे शुरू करवाया था।

कि बिहार विधानसभा की उन नौ राजनीतिक पार्टियों की एक मीटिंग आयोजित की जाएगी जिन्होंने सर्वे के समर्थन में सर्वानुमति से वोट किया था। उन पार्टियों को सर्वे के निष्कर्षों से अवगत करवाया जाएगा। पूर्व में ट्विटर के नाम से जाने वाले "एक्स" पर की गई एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि "जातिगत सर्वे ने विभिन्न जातियों की आर्थिक स्थिति के बारे में भी जानकारी उपलब्ध करवायी है और इसके डेटा के आधार पर सभी समुदायों के विकास के कदम उठाए जाएंगे।" भाजपा उन नौ पार्टियों में से एक थी जिन्होंने जातिगत सर्वे का समर्थन किया था। पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव ने भी सर्वे रिपोर्ट के प्रकाशन का स्वागत करते हुए कहा कि "भाजपा" के षड़यंत्रों और कानूनी बाधाओं के बावजूद यह काम पूर्ण कर लिया गया। उन्होंने "एक्स" पर पोस्ट किया कि "ये आंकड़े वंचित एवं दमन का शिकार वर्गों तथा गरीबों का उनकी आबादी के हिसाब से प्रतिनिधित्व देने के लिए देश में एक मापदंड तय करेंगे ताकि उनके विकास के लिए नीतियां बनायी जा सकें। यादव ने कहा कि केन्द्र सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि समाज के वर्गों को उनकी संख्या के हिसाब से विकास में हिस्सेदारी मिले।"

आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा से मुकाबले की योजना बना रहे विपक्ष के "इण्डिया" गठबंधन के एक प्रमुख व्यक्ति एवं आर.जे.डी. नेता लालू यादव ने कहा कि "हम जब वर्ष 2024 में सरकार का गठन करेंगे तब हम जातिगत जनगणना करवाएंगे।" यादव के पुत्र एवं बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि रिपोर्ट का प्रकाशन दशकों लम्बे इस संघर्ष में मील का एक पत्थर है। उन्होंने कहा कि "इस सर्वे ने ना केवल जातिगत आंकड़े उपलब्ध करवाएं हैं, बल्कि उनकी सामाजिक आर्थिक स्थिति का भी हवाला दिया है। अब सरकार इस डेटा के आधार पर संपूर्ण विकास सुनिश्चित करेगी।"

उपमुख्यमंत्री ने भाजपा को निशाना बनाते हुए कहा कि "इतिहास गवाह है कि भाजपा नेतृत्व ने किस प्रकार बाधाएं उत्पन्न करने की कोशिश की। बिहार ने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। बिहार ने एक रास्ता दिखाया है।" भाजपा के सीनियर नेता एवं केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सर्वे रिपोर्ट को एक ढकोसला बताते हुए कहा कि "यह सर्वे लोगों में संशय उत्पन्न करने वाला है।"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी ने स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका

अमृतसर, 2 अक्टूबर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को निजी दौरे पर अमृतसर पहुंचे और स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका और आशीर्वाद लिया। गांधी ने सिर पर पगड़ी की जगह नीले रंग का पटका बांधा हुआ था। उन्होंने स्वर्ण मंदिर में मत्था टेकने के बाद लंगर हॉल में बर्तन सेवा की। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार गांधी का अमृतसर का यह निजी दौरा है। उनका पंजाब में पार्टी

- सिर पर नीला पटका बांधे राहुल ने लंगर हॉल में बर्तन सेवा भी की।

नेताओं से मिलने या कोई जनसभा करने का कार्यक्रम नहीं है। पार्टी के वरिष्ठ नेता राज्य की राजनीतिक परिस्थितियों विशेषकर सुखपाल सिंह खैरा की राज्य की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार द्वारा की गयी गिरफ्तारी के सम्बंध में राहुल से मिलना चाहते हैं। पार्टी नेता राहुल को उन कार्यकर्ताओं और नेताओं के बारे में भी बताना चाहते हैं, जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों में जांच शुरू करते हुए राज्य सरकार ने उन्हें जेलों में डाला है। इससे पहले राहुल गांधी का यहां अमृतसर हवाई अड्डे पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)